Title: Need to declare Dr. Sir Harising Gaur University in Madhya Pradesh as Central University.

16.32 hrs.

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर) : सभापति जी, मेरे संसदीय क्षेत्र के मुख्यालय में स्थित डा. सर हरिसिंह गौर विश्व-विद्यालय एवं ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण विश्व-विद्यालय है जिसे डा. सर हरिसिंह गौर ने अपने अथक परिश्रम से सागर विश्व-विद्यालय के नाम से स्थापित किया था एवं डा. हरिसिंह गौर की वसीयत के अनुसार सागर विश्व-विद्यालय के नाम से ही इसकी पहचान बनी।

अनेक विषयों का अध्ययन पूर्व में इस विश्व-विद्यालय में ही होता था जिनमें अध्ययन करने विदेशों से भी अनेक विद्यार्थी आते थे। इस विश्व-विद्यालय को केन्द्रीय विश्व-विद्यालय बनाए जाने की मांग यहां के विद्यार्थियों, पूर्व-विद्यार्थियों, छात्र संगठनों, जन-प्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के द्वारा लम्बे समय से की जाती रही है।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सागर शहर की पहाड़ियों के रमणीक स्थल पर स्थित डा. सर हरिसिंह गौर विश्व-विद्यालय के शैक्षणिक विकास एवं विस्तार के लिए सरकार इस महत्वपूर्ण कार्य को अपने हाथ में लेकर इस विश्व-विद्यालय को केन्द्रीय विश्व-विद्यालय बनाकर, डा. गौर के सपनों को साकार करने एवं सागर के विद्यार्थियों एवं नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करने का कार्य शीघ्र पूर्ण करे।